

प्रेषक,

डॉ० राघव लंगर,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

शिक्षा अनुभाग-7 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 10 मार्च, 2017

विषय:-वित्तीय वर्ष 2016-17 में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के अन्तर्गत उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में नई सुविधाओं हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-3519/XXIV(7)/20(2)/2015 दिनांक 31.03.2015 संख्या-360/XXIV(7)/2016-20(2)/15 दिनांक 11.08.2016 एवं परियोजना निदेशक, रूसा परियोजना निदेशालय, देहरादून के पत्र संख्या-1151(70)/रूसा/2016-17 दिनांक 26.10.2016 तथा संयुक्त परियोजना निदेशक, रूसा के पत्र संख्या-1308(40)C/रूसा/2016-17 दिनांक 10.01.2017 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के अन्तर्गत उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में नई सुविधाओं हेतु गठित डी0पी0आर0 रू0 547.50 लाख के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में रू0 49.73 लाख (रू0 उन्नचास लाख तिहत्तर हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए इतनी ही धनराशि व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- धनराशि आहरित करने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा की प्रस्तावित कार्य यू0जी0सी0/रूसा के मानकानुसार हो तथा कार्य की अनुमोदित लागत रूसा के अन्तर्गत अनुमन्य लागत की सीमान्तर्गत हो अन्यथा की स्थिति में द्वितीय किस्त स्वीकृत करने से पूर्व तदनुसार यथा आवश्यक कार्य में कटौती करते हुए यथा आवश्यक अनुमोदनोपरान्त कार्य की लागत अनुमन्य लागत के सीमान्तर्गत समायोजित किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि को उपरोक्त कार्य के अतिरिक्त किसी अन्य कार्य में व्यय नहीं किया जायेगा तथा अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति की प्रत्याशा में कोई अन्य व्यय नहीं किया जायेगा एवं रूसा के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा निर्गत गार्ड लाइन तथा शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मित्तव्ययता सम्बन्धी नियमों एवं दिशा निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण निदेशक, उच्च शिक्षा द्वारा करने के उपरान्त एक सप्ताह के भीतर परियोजना निदेशक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) को अवमुक्त की जायेगी तथा उनके द्वारा सम्बन्धित विश्वविद्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31 मार्च, 2017 तक पूर्ण उपयोग करते हुए उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

क्रमशः.....2/-



- 4- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- 5- कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 6- तकनीकी उपकरणों/कम्प्यूटर इत्यादि क्रय करने से पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा निर्धारित मानकों एवं दरों तथा विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये उनका अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 7- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुये एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुये कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि व्यय करते समय अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन भी सुनिश्चित किया जाय।
- 8- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से आवश्यक करा लिया जाये तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- 9- विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी।
- 10- स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करे।
- 12- उक्त स्वीकृत धनराशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्यों हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का पालन सुनिश्चित किया जाय।
- 13- स्वीकृत धनराशि के उपयोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा निर्माण कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को अवगत कराया जायेगा। वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 571/xxvii(1)/2011 दिनांक 19.10.2010 के आलोक में समयबद्धता के आधार पर स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष वित्तीय/भौतिक प्रगति आख्या शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 14- तृतीय पक्ष गुणवत्ता (Third party quality) सुपरविजन तथा अनुश्रवण की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाय, परन्तु निर्माण कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें पूर्ण की जानी होंगी। इसका व्यय कार्यदायी संस्था को देय चार्ज (Centage) से किया जायेगा। किये गये निर्माण कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण सम्बन्धित विश्वविद्यालय द्वारा सुनिश्चित कर लिया जाय। उक्त रिपोर्ट से शासन को अवगत कराया जाय।
- 15- वित्त विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 475/xxvii(7)/2008 दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जाय। कार्य के निष्पादन हेतु एक समय सारिणी निर्धारित की जायेगी तथा कार्य को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जायेगा। विलम्ब अथवा अन्य किन्हीं भी कारणों से आगणन का पुनरीक्षण अनुमन्य नहीं किया जायेगा।



16- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के अनुदान संख्या-11 के आयोजनागत पक्ष में राजस्व पक्ष के लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना-0106 -राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रुसा)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य सहायता हेतु अनुदान के नामे डाला जायेगा।

17- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में प्राप्त निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० राघव लंगर)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 786 (1)/XXIV(7)/2017-20(2)/15 तददिनांकित

प्रतिलिपि-निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1-महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3-जिलाधिकारी, हरिद्वार।
- 4-निजी सचिव, मा० उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 5-सम्बन्धित कोषाधिकारी।
- 6-कुलसचिव, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
- ✓ 7-निदेशक, एन०आई०सी० उत्तराखण्ड।
- 8-बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन सचिवालय देहरादून।
- 9-वित्त अनु०-3/नियोजन प्रकोष्ठ उत्तराखण्ड शासन।
- 10-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(लक्ष्मण सिंह)
संयुक्त सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20162017

Secretary, Higher Education (S018)

वटन पत्र संख्या - 786/XXIV(7)/2017-20(2)/15

अलोटमेंट आई वी - S1703110202

अनुदान संख्या - 011

आवंटन पत्र दिनांक - 10-Mar-2017

HOD Name - Director Higher Education (4566)

- 1: लेखा शीर्षक 2202 - सामान्य शिक्षा 03 - विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा
800 - अन्य व्यय
01 - केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना
06 - राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा)/एस0पी0ए0

Plan Voted

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	66063555	4973000	71036555
	66063555	4973000	71036555

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

4973000

